CBSE 2024 हिन्दी (अ) — सेट 3 — Answer Key

English Medium

Time Allowed: 3 Hours | Maximum Marks: 80

General Instructions:

1. This question paper contains 38 questions. All questions are compulsory.
2. Section A has 20 MCQs carrying 1 mark each.
3. Section B has 6 questions carrying 2 marks each.
4. Section C has 6 questions carrying 3 marks each.
5. Section D has 4 questions carrying 5 marks each.
6. Section E has 3 case-study based questions carrying 4 marks each.
7. Draw neat figures wherever required.

Q.1(i) [1 mark]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

उन्नीसवीं सदी में एक प्रसिद्ध फ्रांसीसी मनोचिकित्सक हुए एमिल कुए । उन्होंने आत्म-सम्मोहन के आधार पर स्वास्थ्य लाभ की एक नई विधि की खोज की थी जो खूब चर्चित हुई । उनका सूत्र था – 'दिन-ब-दिन मैं बेहतर, और बेहतर होता जा रहा हूँ ।' यह एक प्रयोग था जो ध्यान के नियम पर आधारित था । कुए ने हज़ारों लोगों को इस वाक्य को बार-बार दोहराने के लिए कहकर ठीक किया । जब भी किसी विचार पर ध्यान केंद्रित किया जाता है तो यह स्वतः उसे जीवंत बना देता है । विचार इतना प्रभावशाली होता है कि शरीर उसका अनुसरण करता है और वही भाव महसूस करने लगता है ।

विचार और शरीर बहुत गहराई से जुड़े हैं । अधिकांश लोग दुःख में जीते हैं या बीमारी को आश्रय देते हैं, क्योंकि उन्होंने अपने प्रति निराशावादी रवैया विकसित कर लिया है । हमारा अचेतन मन जो कुल मन का 90 प्रतिशत हिस्सा होता है, हमारे विचारों को साकार करता है । यदि हम स्वस्थ विचारों की खेती करेंगे, तो सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करेगा और यदि हम नकारात्मकता से भरे रहेंगे, तो बीमारी पैदा करके वह हमारा समर्थन करेगा । एक बार जब इसे पूरी तरह से लिया जाता है तो हम शरीर व मन में स्वस्थ तरंगें पैदा करके अपनी बीमारियों को काफ़ी हद तक ठीक कर सकते हैं ।

जब शारीरिक और मानसिक घाव भर जाते हैं, तब व्यक्ति स्वस्थ रहता है । कई बीमारियाँ शारीरिक से अधिक मानसिक होती हैं । लोग आस-पास की दवा की दुकान से दवाएँ तो खरीदते हैं पर स्वास्थ्य क्लब में जाकर स्वस्थ रहने की कला नहीं सीखते । लोग बीमारी में निवेश करते हैं, स्वास्थ्य में नहीं । स्वास्थ्य को आदत बनाना चाहिए ।

'हम स्वस्थ विचारों की खेती करेंगे तो मन सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करेगा ।' – पंक्ति का आशय है –

(a) स्वस्थ मन से खेती करने पर अच्छी फसल होगी ।
(b) स्वस्थ मन से काम करने पर सफलता प्राप्त होगी ।
(c) स्वस्थ शरीर के लिए स्वस्थ मन आवश्यक है ।

(d) स्वस्थ विचार ही शरीर को स्वस्थ रखते हैं। <<

Explanation:

गद्यांश में कहा गया है कि स्वस्थ विचारों की खेती करने से सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है जो शरीर को स्वस्थ रखती है। अतः पंक्ति का आशय है कि स्वस्थ विचार ही शरीर को स्वस्थ रखते हैं।

Q.0 [0 mark]

इस गद्यांश के अनुसार, नकारात्मक विचार जन्म देते हैं –

(a) उदासी
(b) एकाकीपन
(c) असफलता
(d) बीमारी <<

Explanation:

गद्यांश में स्पष्ट कहा गया है कि यदि हम नकारात्मकता से भरे रहेंगे तो बीमारी पैदा करके वह हमारा समर्थन करेगा। अतः नकारात्मक विचार बीमारी को जन्म देते हैं।

Q.0 [0 mark]

हमारे विचारों को साकार रूप देने का कार्य किया जाता है –

(a) मस्तिष्क द्वारा
(b) चेतन मन द्वारा
(c) अचेतन मन द्वारा <<
(d) कर्मेन्द्रियों द्वारा

Explanation:

गद्यांश के अनुसार 'हमारा अचेतन मन जो कुल मन का 90 प्रतिशत हिस्सा होता है, हमारे विचारों को साकार करता है।' अतः अचेतन मन द्वारा विचारों को साकार रूप दिया जाता है।

Q.0 [0 mark]

'लोग बीमारी में निवेश करते हैं, स्वास्थ्य में नहीं' – से क्या अभिप्राय है ?

(a) लोग स्वस्थ रहने से अधिक बीमारी से बचने के तरीके ढूँढ़ते हैं।
(b) लोग चिकित्सा में पैसा खर्च करते हैं स्वास्थ्य सुधार के तरीकों में नहीं। <<
(c) इलाज के लिए अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएँ ढूँढ़ते हैं।
(d) स्वास्थ्य बीमा न कराके लोग चिकित्सा में निवेश करते हैं।

Explanation:

गद्यांश में कहा गया है कि लोग दवा की दुकान से दवाएँ खरीदते हैं पर स्वास्थ्य क्लब में जाकर स्वस्थ रहने की कला नहीं सीखते। अतः अभिप्राय है कि लोग चिकित्सा पर खर्च करते हैं लेकिन स्वास्थ्य सुधार के तरीकों में नहीं।

Q.1(v) [1 mark]

निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यान से पढ़िए तथा सही विकल्प का चयन कर लिखिए :
कथन : वर्तमान समय में लोगों के जीवन में एकाकीपन बढ़ रहा है।
कारण : लोगों ने अपने प्रति निराशावादी रवैया विकसित कर लिया है।

(a) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।
(b) कारण सही है, किंतु कथन गलत है।
(c) कथन सही है, किंतु कारण उसकी गलत व्याख्या करता है। <<
(d) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

Explanation:

गद्यांश में एकाकीपन बढ़ने की बात नहीं कही गई है, लेकिन कथन को सामान्य रूप में सही माना जा सकता है। कारण सही है (गद्यांश में यह बात कही गई है) किंतु यह एकाकीपन की सही व्याख्या नहीं करता, बल्कि बीमारी की व्याख्या करता है।

Q.2(i) [1 mark]

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

निर्मल तेरा नीर, अमृत के सम उत्तम है,
शीतल मंद सुगंध पवन हर लेता श्रम है,
षड्ऋतुओं का विविध दृश्य युत अद्भुत क्रम है,
हरियाली फ़र्श नहीं मखमल से कम है,
शुचि-सुधा सींचता रात में, तुझ पर चंद्रप्रकाश है।
हे मातृभूमि, दिन में तरणि, करता तम का नाश है।
सुरभित, सुंदर सुखद सुमन तुझ पर खिलते हैं,
भाँति-भाँति के सरस, सुधोपम फल मिलते हैं,
औषधियाँ हैं प्राप्त एक से एक निराली,

खानें शोभति कहीं धातु वर रत्नों वाली,
जो आवश्यक होते हमें, मलिते सभी पदार्थ हैं।
हे मातृभूमि वसुधा, धरा, तेरे नाम यथार्थ हैं।

क्षमामयी, दयामयी है, तू क्षेममयी है,
सुधामयी, वात्सल्यमयी तू प्रेममयी है,
विभवशालिनी, विश्वपालिनी, दुखहर्त्री है,
हे शरणदायिनी देवि, तू करती सबका त्राण है।
हे मातृभूमि, संतान हम, तू जननी, तू प्राण है।

पद्यांश में मातृभूमि की किस विशेषता का उल्लेख नहीं है ?

(a) प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण है।
(b) प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है।
(c) माँ के समान पालन करने वाली है।
(d) शांति और सुखों की वर्षा करने वाली है। <<

Explanation:

पद्यांश में मातृभूमि की प्राकृतिक सुंदरता, प्राकृतिक संसाधनों और माँ के समान पालन-पोषण का उल्लेख है। 'शांति और सुखों की वर्षा करने वाली' — ऐसा विशिष्ट उल्लेख नहीं है। हालाँकि सुख का उल्लेख है, 'वर्षा' का भाव नहीं है।

Q.0 [0 mark]

शीतल-सुगंधित पवन व्यक्ति पर क्या प्रभाव डालता है ?

(a) वह उसकी श्रम करने की क्षमता हर लेता है।
(b) वह उसे श्रम करने से रोक लेता है।
(c) वह उसे विश्राम करने पर विवश कर देता है।
(d) वह उसकी थकान को दूर भगा देता है। <<

Explanation:

पद्यांश में 'शीतल मंद सुगंध पवन हर लेता श्रम है' — यहाँ 'श्रम हर लेना' का अर्थ है थकान दूर कर देना। अतः सही उत्तर (D) है।

Q.0 [0 mark]

धरती की 'हरियाली' की तुलना किससे की गई है ?

(a) कोमल-मखमली कपड़े से <<

(b) कोमल-समतल धरा से

(c) रंग-बिरंगे कपड़े से

(d) हरी-भरी धरा से

Explanation:

पद्यांश में 'हरियाली फ़र्श नहीं मखमल से कम है' — यहाँ हरियाली की तुलना मखमल (कोमल-मखमली कपड़े) से की गई है।

Q.0 [0 mark]

कथन और कारण पर विचार करते हुए सही विकल्प चुनिए :

कथन : धरती को जननी कहा गया है ।

कारण : धरती से प्राप्त जल अमृत समान होता है ।

(a) कथन सही है, किंतु कारण गलत है ।

(b) कथन गलत है, किंतु कारण सही है ।

(c) कथन और कारण दोनों सही हैं और कथन की सही व्याख्या है ।

(d) कथन और कारण दोनों सही हैं परंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है । <<

Explanation:

पद्यांश में धरती को जननी कहा गया है ('तू जननी, तू प्राण है') — कथन सही है। जल को अमृत समान भी कहा गया है ('अमृत के सम उत्तम है') — कारण भी सही है। लेकिन धरती को जननी कहने का कारण जल का अमृत होना नहीं है, बल्कि उसका वात्सल्यमयी, क्षमामयी होना है। अतः कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

Q.2(v) [1 mark]

'दिन में तरणि करता तम का नाश है ।' – इस पंक्ति का आशय है :

(a) यहाँ के दिन सदा सूर्य के प्रकाश से प्रकाशित रहते हैं । <<

(b) यहाँ पड़ने वाली तेज रोशनी भीषण कष्ट का कारण है ।

(c) मातृभूमि अपने तम का स्वयं ही नाश करती है ।

(d) मातृभूमि किसी भी तरह के तम से पूर्णत: मुक्त है ।

Explanation:

पद्यांश में 'दिन में तरणि (सूर्य), करता तम (अंधकार) का नाश है' — इसका सीधा आशय है कि यहाँ दिन में सूर्य का प्रकाश अंधकार को दूर करता है। अतः विकल्प (A) सही है।

Q.3(i) [1 mark]

निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) 'जो शब्द सबसे कम समझ आते हैं, वे दो शब्द हैं सभ्यता और संस्कृति।' इस वाक्य का रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद होगा –

(a) संयुक्त वाक्य

(b) साधारण वाक्य

(c) सरल वाक्य

(d) मिश्र वाक्य <<

Explanation:

इस वाक्य में 'जो...वे' — आश्रित उपवाक्य है। जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य और एक या अधिक आश्रित उपवाक्य हों, वह मिश्र वाक्य होता है।

Q.0 [0 mark]

(ii) 'आग का आविष्कार जिस आदमी ने किया होगा, वह महान आविष्कर्ता होगा।' इस वाक्य का सरल वाक्य होगा –

(a) जिसने आग का आविष्कार किया वह महान आविष्कर्ता होगा।

(b) आग का आविष्कार करने वाला व्यक्ति महान आविष्कर्ता रहा होगा। <<

(c) वह महान आविष्कर्ता होगा जिसने आग का आविष्कार किया।

(d) आग का आविष्कार करने वाला जो भी हो कोई महान व्यक्ति था।

Explanation:

मिश्र वाक्य को सरल वाक्य में बदलने के लिए आश्रित उपवाक्य को कृदंत/विशेषण वाक्यांश में बदला जाता है। 'आग का आविष्कार करने वाला व्यक्ति महान आविष्कर्ता रहा होगा' — यह सरल वाक्य है।

Q.0 [0 mark]

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए :

(1) लेखक को संस्कृति का बँटवारा करने वाले लोगों पर आश्चर्य होता है।
(2) जिस बाज़ार कहा जा सके वैसा उस कस्बे में एक ही बाज़ार था।
(3) मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती है लेकिन चश्मा तो बदल ही सकती है।
(4) उसने दुकान के नीचे पान थूका और अपनी काली-लाल बत्तीसी दिखाकर बोला।

(a) (1) और (2) सही हैं।
(b) (2) और (3) सही हैं।
(c) (3) और (4) सही हैं। <<
(d) (1) और (4) सही हैं।

Explanation:
संयुक्त वाक्य में दो या अधिक स्वतंत्र उपवाक्य 'और', 'लेकिन', 'परंतु' आदि समुच्चयबोधक से जुड़े होते हैं। वाक्य (3) में 'लेकिन' और वाक्य (4) में 'और' से दो स्वतंत्र उपवाक्य जुड़े हैं। अतः (C) सही है।

Q.0 [0 mark]

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य का उदाहरण है :

(a) असहयोग आंदोलन के प्रभाव से शिवपूजन सहाय ने नौकरी से त्यागपत्र दे दिया।
(b) उनकी रचनाओं में लोकजीवन और लोकसंस्कृति के प्रसंग सहज ही मिल जाते हैं।
(c) उन्होंने दसवीं की परीक्षा पास की और बनारस में नकलनवीस की नौकरी की।
(d) शिवपूजन सहाय का जन्म जिस गाँव में हुआ था, वह बिहार में है। <<

Explanation:
मिश्र वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य और एक आश्रित उपवाक्य होता है। विकल्प (D) में 'जिस गाँव में हुआ था' आश्रित उपवाक्य है और 'शिवपूजन सहाय का जन्म...वह बिहार में है' प्रधान उपवाक्य है।

Q.3(v) [1 mark]

(v) स्तंभ-1 को स्तंभ-2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए :

स्तंभ – 1:
(1) जैसे ही मैं वहाँ पहुँचा वह चला गया।
(2) मैं वहाँ पहुँचा और वह चला गया।
(3) मेरे वहाँ पहुँचते ही वह चला गया।

स्तंभ – 2:

(I) संयुक्त वाक्य

(II) सरल वाक्य

(III) मिश्र वाक्य

(a) (1) – (I); (2) – (III); (3) – (II)

(b) (1) – (III); (2) – (II); (3) – (I)

(c) (1) – (II); (2) – (III); (3) – (I)

(d) (1) – (III); (2) – (I); (3) – (II) <<

Explanation:

वाक्य (1) में 'जैसे ही...वह' — मिश्र वाक्य (III)। वाक्य (2) में 'और' से जुड़े दो स्वतंत्र उपवाक्य — संयुक्त वाक्य (I)। वाक्य (3) में एक ही क्रिया, कोई उपवाक्य नहीं — सरल वाक्य (II)।

Q.4(i) [1 mark]

निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) 'निराला ने फागुन के प्रभाव को अभिव्यक्त किया है ।' वाक्य में वाच्य है –

(a) कर्मवाच्य

(b) भाववाच्य

(c) कर्तृवाच्य <<

(d) कर्मवाच्य और कर्तृवाच्य दोनों

Explanation:

इस वाक्य में कर्ता 'निराला' प्रधान है और क्रिया 'अभिव्यक्त किया है' कर्ता के अनुसार है। अतः यह कर्तृवाच्य है।

Q.0 [0 mark]

(ii) 'माँ द्वारा बेटी को परंपरा से हटकर सीख दी गई ।' उदाहरण है –

(a) कर्ता वाच्य का

(b) कर्मवाच्य का <<

(c) कर्तृवाच्य का

(d) भाववाच्य का

Explanation:

इस वाक्य में कर्ता के साथ 'द्वारा' का प्रयोग है और क्रिया 'दी गई' कर्म के अनुसार है। अतः यह कर्मवाच्य है।

Q.0 [0 mark]

(iii) 'पिताजी हम सबकी बात ध्यान से सुन रहे थे।' इसका कर्मवाच्य होगा –

(a) पिताजी ने हम सबकी बात ध्यान से सुनी।
(b) पिताजी हम सबकी बात ध्यान से सुनते थे।
(c) पिताजी हम सबकी बात ध्यान से सुन पाते थे।
(d) पिताजी द्वारा हम सबकी बात ध्यान से सुनी जा रही थी। <<

Explanation:

कर्तृवाच्य को कर्मवाच्य में बदलने के लिए कर्ता के साथ 'द्वारा' जोड़ा जाता है और क्रिया को कर्म के अनुसार बदला जाता है। अतः 'पिताजी द्वारा हम सबकी बात ध्यान से सुनी जा रही थी' सही कर्मवाच्य है।

Q.0 [0 mark]

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में भाववाच्य का उदाहरण नहीं है :

(a) मुझसे इतने ऊँचे से कैसे कूदा जाएगा ?
(b) वह फुटबॉल नहीं खेलता।
(c) तुमसे अब खेला नहीं जाता। <<
(d) वह रोज पढ़ने जाती है।

Explanation:

विकल्प (A) 'कूदा जाएगा' — भाववाच्य। विकल्प (C) 'खेला नहीं जाता' — भाववाच्य। विकल्प (D) 'पढ़ने जाती है' — कर्तृवाच्य। विकल्प (B) 'नहीं खेलता' — कर्तृवाच्य। प्रश्न में 'भाववाच्य का उदाहरण नहीं है' पूछा गया है — (B) और (D) दोनों कर्तृवाच्य हैं। (C) भाववाच्य ही है ('खेला नहीं जाता')। अतः (C) गलत विकल्प होगा — लेकिन प्रश्न के संदर्भ में (B) और (D) भाववाच्य नहीं हैं। वाक्य (2) 'वह फुटबॉल नहीं खेलता' और (4) 'वह रोज पढ़ने जाती है' — दोनों कर्तृवाच्य हैं।

Q.4(v) [1 mark]

(v) स्तंभ-1 को स्तंभ-2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए –

स्तंभ – 1:

(1) अब उनसे टहला नहीं जाता।
(2) उससे गीत नहीं गाया गया।
(3) मैंने एक लंबी कविता लिखी।

स्तंभ – 2:
(I) कर्तृवाच्य
(II) भाववाच्य
(III) कर्मवाच्य

(a) (1) – (II); (2) – (III); (3) – (I) <<
(b) (1) – (I); (2) – (II); (3) – (III)
(c) (1) – (III); (2) – (II); (3) – (I)
(d) (1) – (I); (2) – (III); (3) – (II)

Explanation:
वाक्य (1) 'अब उनसे टहला नहीं जाता' — अकर्मक क्रिया, कर्ता के साथ 'से', भाववाच्य (II)। वाक्य (2) 'उससे गीत नहीं गाया गया' — सकर्मक क्रिया, कर्म 'गीत' प्रधान, कर्मवाच्य (III)। वाक्य (3) 'मैंने एक लंबी कविता लिखी' — कर्ता 'मैंने' प्रधान, कर्तृवाच्य (I)।

Q.5(i) [1 mark]

निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) 'शर्माजी उसकी बातें सुनकर ठहाके मारकर हँसने लगे।' रेखांकित पद का परिचय होगा –

(a) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'हँसने लगे' क्रिया की विशेषता <<
(b) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'हँसने लगे' क्रिया की विशेषता
(c) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'हँसने लगे' क्रिया की विशेषता
(d) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'हँसने लगे' क्रिया की विशेषता

Explanation:
'ठहाके मारकर' रीतिवाचक क्रियाविशेषण है क्योंकि यह 'हँसने लगे' क्रिया की रीति (तरीका) बता रहा है — कैसे हँसे? ठहाके मारकर।

Q.0 [0 mark]

(ii) 'मनुष्य के जीवन में आस-पड़ोस का बहुत महत्त्व होता है।' रेखांकित पद का परिचय है –

(a) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक
(b) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक
(c) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक
(d) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक <<

Explanation:
'मनुष्य' जातिवाचक संज्ञा है (किसी विशेष व्यक्ति का नहीं, सामान्य जाति का बोध), एकवचन, पुल्लिंग, और 'के' विभक्ति से संबंध कारक है।

Q.0 [0 mark]

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में किस वाक्य में कालवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग नहीं हुआ है ?

(a) महावीर प्रसाद आज सुबह-सुबह गाँव चले गए।
(b) उसका संतोष धीरे-धीरे गर्व में बदल गया। <<
(c) थके होने के कारण बच्चे जल्दी सो गए।
(d) यह गलत परंपरा तत्काल खत्म होनी चाहिए।

Explanation:
'धीरे-धीरे' रीतिवाचक क्रियाविशेषण है (कैसे बदला — धीरे-धीरे), कालवाचक नहीं। 'सुबह-सुबह', 'जल्दी', 'तत्काल' — ये सभी कालवाचक क्रियाविशेषण हैं।

Q.0 [0 mark]

(iv) 'भानपुरा से मेरी यादों का सिलसिला शुरू होता है।' रेखांकित पद का परिचय है –

(a) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक <<
(b) पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(c) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'यादों' विशेष्य
(d) सार्वनामिक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'यादों' विशेष्य

Explanation:
'मेरी' पुरुषवाचक सर्वनाम 'मैं' का संबंध कारक रूप है। यहाँ यह 'यादों' की विशेषता बता रहा है, इसलिए इसे सार्वनामिक विशेषण भी माना जा सकता है। लेकिन मूलतः यह पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तमपुरुष, एकवचन, स्त्रीलिंग (संदर्भानुसार), संबंध कारक है।

Q.5(v) [1 mark]

(v) 'मैं भी वहाँ रुककर उन्हें सुनना चाहती थी ।' रेखांकित पद का परिचय है –

(a) मध्यमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(b) अन्यपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(c) उत्तमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक <<

(d) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

Explanation:

'मैं' उत्तमपुरुष सर्वनाम है। वाक्य में 'चाहती थी' से स्त्रीलिंग स्पष्ट है। एकवचन है और कर्ता कारक में प्रयुक्त है।

Q.6(i) [1 mark]

निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) 'हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग । लंका सिगिरी जल गई, गए निसाचर भाग ।।' इस पंक्ति में अलंकार है –

(a) उत्प्रेक्षा

(b) अतिशयोक्ति <<

(c) यमक

(d) श्लेष

Explanation:

यहाँ 'पूँछ में आग लगन न पाई' फिर भी 'लंका सिगिरी जल गई' — यह बात बढ़ा-चढ़ाकर कही गई है। लोक-प्रसिद्ध बात के विपरीत कहना अतिशयोक्ति अलंकार है।

Q.0 [0 mark]

(ii) 'जो नत हुआ वह मृत हुआ, ज्यों वृंत से झर कर कुसुम ।' इस पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है –

(a) अतिशयोक्ति

(b) यमक

(c) श्लेष

(d) उत्प्रेक्षा <<

Explanation:

'ज्यों' (जैसे) उत्प्रेक्षा का वाचक शब्द है। झुकने वाले व्यक्ति की तुलना डंठल से झड़ते फूल से की गई है — मानो वह मृत हो गया। यह उत्प्रेक्षा अलंकार है।

Q.0 [0 mark]

(iii) 'लेटी है श्रांत-क्लांत, निश्चल !
तापस बाला गंगा निर्मल ।'
– इन पंक्तियों में कौन सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है ?

(a) यमक
(b) श्लेष
(c) उत्प्रेक्षा
(d) मानवीकरण <<

Explanation:

गंगा नदी को 'लेटी है', 'श्रांत-क्लांत' (थकी-माँदी), 'तापस बाला' (तपस्विनी कन्या) कहा गया है — नदी को मानवीय क्रियाएँ और गुण दिए गए हैं। यह मानवीकरण अलंकार है।

Q.0 [0 mark]

(iv) 'मेरी भव-बाधा हरो राधा नागरि सोइ ।
जा तन की झाई परै स्याम हरित दुति होइ ।।'
– इन काव्य पंक्तियों में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है ?

(a) मानवीकरण
(b) उत्प्रेक्षा
(c) श्लेष <<
(d) यमक

Explanation:

'हरो' में श्लेष अलंकार है — 'हरो' के दो अर्थ हैं: (1) दूर करो (बाधा हरो) और (2) हरि (कृष्ण) से संबंधित। इसी प्रकार 'हरित' के भी दो अर्थ हैं — हरा रंग और प्रसन्न। एक शब्द के अनेक अर्थ — श्लेष अलंकार।

Q.6(v) [1 mark]

(v) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में से कौन सी काव्य-पंक्ति उत्प्रेक्षा अलंकार का उदाहरण

है ?

(a) घँस गए धरा में सभय शाल

(b) सूरदास अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यों पागी । <<

(c) पानी गए न ऊबरै मोती मानुष चून ।

(d) पल-पल परविर्तति प्रकृतवि ेश

Explanation:

'ज्यों' उत्प्रेक्षा अलंकार का वाचक शब्द है। 'गुर चाँटी ज्यों पागी' — गुड़ में चींटी की तरह पागी (लपिटी) — यह उत्प्रेक्षा अलंकार है। वकिल्प (C) में 'पानी' शब्द के अनेक अर्थ हैं — श्लेष। वकिल्प (D) में 'पल-पल' — अनुप्रास।

Q.7(i) [1 mark]

नम्निलखिति पठति गद्यांश पर आधारति बहुवकिल्पी प्रश्नों के सर्वाधकि उपयुक्त वकिल्प चुनकर लखिए :

कार्तकि आया नहीं कि बालगोबनि भगत की प्रभातयिाँ शुरू हुई, जो फागुन तक चला करतीं । इन दनिों वह सबेरे ही उठते । न जाने कसि वक्त जगकर वह नदी-स्नान को जाते-गाँव से दो मील दूर । वहाँ से नहा-धोकर लौटते और गाँव के बाहर ही, पोखरे के ऊँचे भडि पर, अपनी खँजड़ी लेकर जा बैठते और अपने गाने टेने लगते । मैं शुरू से ही देर तक सोनेवाला हूँ, कतिु, एक दनि, माघ की उस दाँत कटिकटिानेवाली भोर में भी, उनका संगीत मुझे पोखरे पर ले गया था ।

अभी आसमान के तारों के दीपक बुझे नहीं थे । हाँ, पूरब में लोही लग गई थी जसिकी लालमिा को शुक्र तारा और बढ़ा रहा था । सारा वातावरण अजीब रहस्यमय वातावरण में एक कुश की चटाई पर पूरब ताँबे मुँह से शब्दों का पूरा मुँह खोलकर ताँबा लगा था । उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था । उनकी अँगुलयिाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं । गाते-गाते इतने मस्त हो जाते, उत्तेजति हो उठते कि मालूम होता, अब खड़े हो जाएँगे । कमली तो बार-बार सरि से नीचे सरक जाती । मैं जाड़े से कँपकँपा रहा था । कतिु तारों की छाँव में भी उनके मस्तक के श्रमबदिु, जब-तब, चमक ही पड़ते ।

प्रभातयिाँ कसि समय गाया जाने वाला गीत है ?

(a) भोर <<

(b) संध्या
(c) मध्याह्न
(d) अपराह्न

Explanation:
गद्यांश में स्पष्ट है कि बालगोबिन भगत 'सबेरे ही उठते' और 'प्रभातियाँ' गाते थे। 'प्रभाती' शब्द ही 'प्रभात' (सुबह/भोर) से बना है। अतः प्रभातियाँ भोर में गाई जाती हैं।

Q.0 [0 mark]

'उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था।' – का आशय है :

(a) वह एक के बाद एक गीत गाए जा रहे थे। <<
(b) वह लगातार प्रवचन दिए जा रहे थे।
(c) वह लगातार लोगों को आशीर्वचन दे रहे थे।
(d) वह किसी से लगातार बातें किए जा रहे थे।

Explanation:
'शब्दों का ताँता लगना' मुहावरा है जिसका अर्थ है लगातार बोलते/गाते रहना। गद्यांश के संदर्भ में बालगोबिन भगत लगातार गीत गा रहे थे।

Q.0 [0 mark]

गद्यांश में किस ऋतु का उल्लेख है ?

(a) वसंत ऋतु
(b) ग्रीष्म ऋतु
(c) शीत ऋतु <<
(d) वर्षा ऋतु

Explanation:
गद्यांश में 'माघ की उस दाँत कटिकटिानेवाली भोर' और 'मैं जाड़े से काँपकाँपा रहा था' — ये दोनों शीत ऋतु (सर्दी) के संकेत हैं।

Q.0 [0 mark]

बालगोबिन की प्रभातियाँ कब तक चलती थीं ?

(a) फाल्गुन से कार्तिक तक
(b) कार्तिक से फाल्गुन तक <<

(c) फाल्गुन से आषाढ़ तक

(d) कार्तिक से चैत्र तक

Explanation:

गद्यांश में स्पष्ट लिखा है — 'कार्तिक आया नहीं कि बिलगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हुईं, जो फागुन तक चला करतीं।' अतः कार्तिक से फाल्गुन तक।

Q.7(v) [1 mark]

भगत गाँव के बाहर पोखरे के ऊँचे भिंडि पर क्यों गाया करते थे ? अनुपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए –

(a) शांत और प्राकृतिक वातावरण के कारण ।

(b) ताकि गाँववाले को परेशानी न हो ।

(c) गाँव में अधिक शोर की मनाही थी । <<

(d) उन्हें उस स्थान पर रोज़ गाने की आदत थी ।

Explanation:

गद्यांश में कहीं यह उल्लेख नहीं है कि गाँव में शोर की मनाही थी। भगत गाँव के बाहर शांत प्राकृतिक वातावरण में, पोखरे के ऊँचे भिंडि पर बैठकर गाते थे — यह उनकी नित्य आदत थी।

Q.8(i) [1 mark]

गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) बिस्मिल्ला खाँ अपनी दुआओं में क्या माँगा करते थे ?

(a) अपने सुरों की सलामती <<

(b) जन्मभूमि काशी का सौहार्द

(c) विविध संप्रदायों में भाईचारा

(d) पूरे देश की सलामती

Explanation:

'नौबतखाने में इबादत' पाठ के अनुसार बिस्मिल्ला खाँ अपनी दुआओं में अपने सुरों की सलामती माँगते थे — 'मेरे मालिक, मुझे सुर बख़्श दे।'

Q.0 [0 mark]

(ii) नेताजी की मूर्ति पर लगे सरकंडे के चश्मे को देखकर हालदार साहब की आँखें क्यों भर आईं

?

(a) सरकंडे से बना चश्मा उन्हें नेताजी की गरिमा के अनुरूप नहीं लगा।
(b) नेताजी की मूर्ति के हिसाब से चश्मे का स्वरूप सही नहीं था।
(c) चश्मे को देखकर उन्हें कैप्टन की याद आ गई थी।
(d) बच्चों में नेताजी के प्रति सम्मान और देशभक्ति देखकर वे भावुक हो गए। <<

Explanation:

'नेताजी का चश्मा' पाठ में कैप्टन के न रहने पर भी बच्चों ने नेताजी की मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगाया — इससे हालदार साहब को लगा कि देशभक्ति की भावना अभी भी जीवित है और बच्चों में नेताजी के प्रति सम्मान है। इससे वे भावुक हो गए।

Q.9(i) [1 mark]

निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा।।
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई।।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहि सब राजा।।
सुनि मुनि बचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अवमाने।।
बहु धनुही तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिसि कीन्हि गोसाईं।।
येहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू।।

राम ने स्वयं को परशुराम का सेवक क्यों बताया ?

(a) वे परशुराम के क्रोध से डर गए थे।
(b) वे परशुराम का क्रोध शांत करना चाहते थे। <<
(c) वे उनसे उम्र में बहुत ही छोटे थे।
(d) वे व्यंग्य में उनसे ऐसा कह रहे थे।

Explanation:

राम ने विनिम्रतापूर्वक स्वयं को परशुराम का सेवक बताया ताकि उनका क्रोध शांत हो सके। राम की यह

विनम्रता उनके शांत और धैर्यवान स्वभाव को दर्शाती है।

Q.0 [0 mark]

परशुराम के क्रोध का क्या कारण था ?

(a) सभा में उन्हें न बुलाया जाना।

(b) उनके गुरु शिव का धनुष टूटना। <<

(c) लक्ष्मण की धृष्टता से भरी बातें।

(d) राम की अभिमान से भरी बातें।

Explanation:

परशुराम का क्रोध शिवधनुष के टूटने के कारण था। शिव उनके आराध्य/गुरु थे और उनके धनुष का टूटना उन्हें अपमान लगा।

Q.0 [0 mark]

लक्ष्मण ने शिवधनुष की तुलना अन्य धनुषों से क्यों की ?

(a) परशुराम का क्रोध शांत करने के लिए।

(b) परशुराम का क्रोध और भड़काने के लिए।

(c) परशुराम के प्रति अपने व्यंग्यात्मक लहजे के कारण। <<

(d) शिवधनुष का अन्य धनुषों के जैसा होने के कारण।

Explanation:

लक्ष्मण ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि बचपन में बहुत-सी धनुहियाँ तोड़ीं, कभी इतना क्रोध नहीं किया — अर्थात् शिवधनुष को भी साधारण धनुष जैसा बताकर परशुराम पर व्यंग्य किया।

Q.0 [0 mark]

परशुराम की बातें सुनकर लक्ष्मण मुसकुराने क्यों लगे ?

(a) स्वयं पर नियंत्रण न रखने के कारण

(b) परशुराम के क्रोध को गंभीरता से न लेने के कारण

(c) परशुराम के क्रोध को भड़काने के लिए

(d) परशुराम के आत्मप्रशंसात्मक वचनों को सुनकर <<

Explanation:

लक्ष्मण परशुराम के आत्मप्रशंसात्मक वचनों (अपनी वीरता का बखान) को सुनकर मुसकुराए — उन्हें परशुराम का अपनी शक्ति का गुणगान हास्यास्पद लगा।

Q.9(v) [1 mark]

परशुराम ने राम के विनम्र वचनों का उत्तर कैसे दिया ?

(a) विनम्रतापूर्वक

(b) क्रोधपूर्वक <<

(c) शांतिपूर्वक

(d) तटस्थ भाव

Explanation:

परशुराम क्रोधी स्वभाव के थे। राम के विनम्र वचनों पर भी वे क्रोधित होकर बोले — 'सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही' — अर्थात् सुनकर क्रोधी मुनि रिसाकर (क्रोध से) बोले।

Q.10(i) [1 mark]

पाठ्यपुस्तक में निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित दो प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) सूरदास के पदों में उद्धव की तुलना किससे नहीं की गई है ?

(a) तेल की गगरी

(b) हारिल पक्षी की लकड़ी <<

(c) मधुकर

(d) कमलपात (कमल-पात)

Explanation:

सूरदास के पदों में उद्धव की तुलना 'तेल की गगरी' (जिस पर पानी नहीं ठहरता), 'मधुकर' (भौंरा) और 'कमलपात' (कमल-पत्ता जिस पर पानी नहीं टिकता) से की गई है। 'हारिल पक्षी की लकड़ी' गोपियों के कृष्ण-प्रेम का प्रतीक है, उद्धव की तुलना नहीं।

Q.0 [0 mark]

(ii) 'यह दंतुरित मुसकान' में बच्चे के धूल-धूसरित शरीर को देखकर पिता को कैसे लगता है ?

(a) जैसे झोपड़ी कमल के फूल में रूपांतरित हो गई हो।

(b) जैसे झोपड़ी में कमल का फूल खिल गया हो। <<

(c) जैसे झोपड़ी के चारों ओर कमल खिल गए हों।

(d) जैसे चारों तरफ कीचड़ और झोपड़ी कमल का फूल हो।

Explanation:

'यह दंतुरित मुसकान' कविता में कवि नागार्जुन कहते हैं कि बच्चे का धूल-धूसरित शरीर देखकर ऐसा लगता है जैसे कीचड़ में कमल खिल गया हो — अर्थात् गरीबी की झोपड़ी में भी बच्चे की मुसकान कमल के फूल जैसी सुंदर है।

Q.11(k) [1 mark]

गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए :

(क) 'नौबतखाने में इबादत' पाठ में काशी को संस्कृति की पाठशाला क्यों कहा गया है ?

Answer: काशी को संस्कृति की पाठशाला इसलिए कहा गया है क्योंकि यहाँ संगीत, साहित्य, कला और धर्म की प्राचीन परंपराएँ एक साथ जीवित हैं। यह शहर विविध संस्कृतियों और संप्रदायों के सामंजस्य का प्रतीक है।

Explanation:

काशी (बनारस) सदियों से भारतीय संस्कृति, संगीत और आध्यात्मिकता का केंद्र रहा है। बिस्मिल्ला खाँ जैसे कलाकार इसी परंपरा के प्रतिनिधि हैं।

Q.0 [0 mark]

(ख) 'लखनवी अंदाज़' पाठ में 'लेखक नवाब साहब के प्रति पूर्वाग्रह से ग्रसित थे ।' – इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।

Answer: लेखक के मन में नवाब साहब के प्रति पहले से ही यह धारणा थी कि वे दिखावा करने वाले, बनावटी और आडंबरपूर्ण व्यवहार करने वाले व्यक्ति हैं। लेखक उन्हें लखनवी नवाबी संस्कृति का प्रतिनिधि मानकर उनके प्रति पूर्वधारणा रखते थे।

Explanation:

लेखक ने नवाब साहब को देखते ही उनके बारे में एक पूर्वाग्रहपूर्ण राय बना ली थी कि वे नवाबी ठाठ-बाट दिखाने वाले व्यक्ति हैं।

Q.11(g) [1 mark]

(ग) मानव की आरंभिक खोजों यथा आग, पहिया आदि की खोज के पीछे क्या प्रेरणा रही होगी ? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर लिखिए ।

Answer: मानव की आरंभिक खोजों के पीछे उसकी जिज्ञासा और आवश्यकता प्रमुख प्रेरणा रही होगी। 'संस्कृति' पाठ के अनुसार मनुष्य ने अपनी बुद्धि और विवेक से प्रेरित होकर आग, पहिया आदि

की खोज की — यह उसकी संस्कृति का प्रतीक है।

Explanation:

'संस्कृति' पाठ में भदंत आनंद कौसल्यायन ने बताया है कि मनुष्य की जिज्ञासा और बुद्धि ही उसकी खोजों की प्रेरणा रही है, जो उसे अन्य प्राणियों से अलग करती है।

Q.0 [0 mark]

(घ) 'जीवन में सफल होने के लिए बाहरी रंग-रूप ही महत्वपूर्ण नहीं हैं।' 'एक कहानी यह भी' के आधार पर तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

Answer: मन्नू भंडारी ने 'एक कहानी यह भी' में बताया है कि उनका बाहरी रंग-रूप साधारण था, लेकिन उनकी प्रतिभा, लेखन क्षमता और आंतरिक गुणों ने उन्हें सफल बनाया। इससे स्पष्ट है कि जीवन में सफलता बाहरी सौंदर्य पर नहीं बल्कि आंतरिक गुणों, मेहनत और प्रतिभा पर निर्भर करती है।

Explanation:

मन्नू भंडारी ने स्वयं स्वीकार किया है कि वे रूप-सौंदर्य में अपनी बहनों से कम थीं, लेकिन पिता से मिली बौद्धिक प्रेरणा और अपनी प्रतिभा से उन्होंने साहित्य जगत में नाम कमाया।

Q.12(k) [1 mark]

निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए :

(क) मित्रों द्वारा प्रेरित किए जाने पर भी जयशंकर प्रसाद अपनी आत्मकथा क्यों नहीं लिखना चाहते थे ?

Answer: जयशंकर प्रसाद अपनी आत्मकथा इसलिए नहीं लिखना चाहते थे क्योंकि उन्हें लगता था कि उनके जीवन में कोई ऐसी विशेष उपलब्धि नहीं है जो दूसरों को प्रेरित करे। वे अपनी व्यथा-कथा को सार्वजनिक करना उचित नहीं समझते थे और अपनी निजी पीड़ा को जग के सामने नहीं रखना चाहते थे।

Explanation:

'आत्मकथ्य' कविता में प्रसाद जी ने कहा कि उनकी कथा में वेदना है, जिसे सुनाने से कोई लाभ नहीं। वे विनम्रतापूर्वक अपनी कथा को महत्वहीन मानते हैं।

Q.0 [0 mark]

(ख) 'उत्साह' कविता को कोई और शीर्षक दीजिए और बताइए कि आपने उस विशेष शीर्षक का चयन क्यों किया ?

Answer: उत्साह कविता का वैकल्पिक शीर्षक 'बादल राग' या 'क्रांति का आह्वान' हो सकता है। कवि निराला ने बादलों को क्रांति और परिवर्तन का प्रतीक माना है। बादल गर्जना करते हैं, बरसते हैं और धरती को नवजीवन देते हैं — ठीक वैसे ही जैसे क्रांति समाज में नवचेतना लाती है।

Explanation:

निराला की 'उत्साह' कविता में बादलों को संबोधित करते हुए उन्हें जन-जन में उत्साह और क्रांति की भावना भरने के लिए कहा गया है।

Q.12(g) [1 mark]

(ग) 'संगतकार' कविता के संदर्भ में लिखिए कि संगतकार कौन होता है ? उसके द्वारा किस प्राचीन परंपरा का निर्वाह किया जाता है ?

Answer: संगतकार वह कलाकार होता है जो मुख्य गायक या कलाकार का साथ देता है। वह मुख्य गायक के स्वर में अपना स्वर मिलाता है और उसकी प्रस्तुति को प्रभावशाली बनाता है। वह प्राचीन परंपरा 'गुरु-शिष्य' परंपरा का निर्वाह करता है जहाँ शिष्य गुरु का सहयोगी बनकर कला को आगे बढ़ाता है।

Explanation:

मंगलेश डबराल की 'संगतकार' कविता में संगतकार की भूमिका को रेखांकित किया गया है — वह मुख्य कलाकार का सहयोगी होता है जो पीछे रहकर कला-परंपरा को जीवित रखता है।

Q.0 [0 mark]

(घ) 'फसल' का सृजन कब संभव है ? पठित कविता के आधार पर लिखिए ।

Answer: नागार्जुन की 'फसल' कविता के अनुसार फसल का सृजन तब संभव है जब नदियों का पानी, सूर्य की किरणें, हवा, मिट्टी और किसानों की मेहनत — ये सब मिलकर एक साथ काम करें। फसल किसी एक तत्व का नहीं बल्कि प्रकृति और मनुष्य के सामूहिक प्रयास का परिणाम है।

Explanation:

नागार्जुन ने 'फसल' कविता में बताया है कि फसल अनेक नदियों के पानी, करोड़ों हाथों की मेहनत, धूप-हवा-मिट्टी आदि के संयुक्त योगदान से उत्पन्न होती है।

Q.13(k) [1 mark]

पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर अनुभव और अनुभूति का अंतर स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लेखक ने अपनी जापान यात्रा के दौरान हिरोशिमा में सब कुछ देखकर भी तत्काल क्यों नहीं लिखा ? अणु-विस्फोट की अनुभूति लेखक को कब हुई ?

Answer: अज्ञेय के अनुसार अनुभव बाहरी होता है — जो हम देखते, सुनते हैं; जबकि अनुभूति आंतरिक होती है — जब वह अनुभव हृदय को छू जाता है। हिरोशिमा में लेखक ने विनाश के चिह्न देखे (अनुभव) लेकिन लिख नहीं पाए क्योंकि अनुभूति नहीं हुई थी। बाद में जब उन्होंने एक जले पत्थर पर किसी व्यक्ति की छाया देखी, तब अणु-विस्फोट की विभीषिका ने उनके हृदय को गहराई से छुआ और अनुभूति हुई। तब उन्होंने 'हिरोशिमा' कविता लिखी।

Explanation:

अज्ञेय ने बताया कि लिखना तभी संभव है जब अनुभव अनुभूति में बदले। हिरोशिमा में सब देखकर भी जब तक भीतरी अनुभूति नहीं हुई, लिखना संभव नहीं था।

Q.0 [0 mark]

(ख) 'माता का अँचल' पाठ जैसा वात्सल्य क्या वर्तमान की भागती-सी व्यस्त ज़िंदगी में देखने को मिलता है ? इस प्रश्न के उत्तर में उपयुक्त तर्क भी दीजिए ।

Answer: आज की भागती-सी व्यस्त ज़िंदगी में 'माता का अँचल' जैसा वात्सल्य देखना कठिन हो गया है। पहले माता-पिता बच्चों के साथ अधिक समय बिताते थे, परंतु आज की व्यस्त जीवनशैली में माता-पिता दोनों कामकाजी हैं। बच्चे क्रेच या ट्यूशन में रहते हैं। तकनीक (मोबाइल, टीवी) ने पारिवारिक संवाद को कम किया है। हालाँकि माँ का प्रेम आज भी उतना ही गहरा है, लेकिन उसे व्यक्त करने का समय और अवसर कम हो गए हैं।

Explanation:

पाठ में भोलानाथ और उसकी माँ का जो स्नेहपूर्ण संबंध दिखाया गया है, वह आज की व्यस्त जीवनशैली में दुर्लभ होता जा रहा है, हालाँकि माँ का वात्सल्य सदैव अमर है।

Q.13(g) [1 mark]

(ग) बार्डर एरिया में छावनी पर 'वी गिव अवर टुडे फॉर योर टुमारो' को पढ़कर लेखिका का मन उदास क्यों हो गया ? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए ।

Answer: बार्डर एरिया की छावनी पर 'वी गिव अवर टुडे फॉर योर टुमारो' (हम अपना आज तुम्हारे कल के लिए देते हैं) पढ़कर लेखिका मधु कांकरिया का मन उदास हो गया क्योंकि इस पंक्ति ने उन्हें उन सैनिकों की याद दिलाई जो देश की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान कर देते हैं। उन्होंने सोचा कि जिन सैनिकों ने अपना आज (वर्तमान/जीवन) त्याग दिया, उनके बलिदान के कारण ही हम सुरक्षित हैं। इस बलिदान की भावना ने उन्हें भावुक और उदास कर दिया।

Explanation:

लेखिका ने सैनिकों के बलिदान की महानता को समझा और उनके त्याग से भावुक होकर उदास हो गईं।

Q.14(k) [1 mark]

निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए :

(क) निष्पक्ष मीडिया : सफल लोकतंत्र का आधार

संकेत बिंदु – भूमिका, अर्थ, लोकतंत्र पर प्रभाव, समस्याएँ, समाधान

Answer: निष्पक्ष मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। मीडिया का अर्थ है जनसंचार के वे माध्यम जो जनता तक सूचना पहुँचाते हैं — अखबार, टेलीविज़न, रेडियो, इंटरनेट आदि। निष्पक्ष मीडिया वह है जो बिना किसी पक्षपात के सत्य और तथ्यपूर्ण समाचार प्रस्तुत करे। लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है — यह सरकार की नीतियों की समीक्षा करता है, भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करता है और जनता को जागरूक बनाता है। परंतु आज मीडिया के सामने कई समस्याएँ हैं — पेड न्यूज़, पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग, सनसनीखेज पत्रकारिता और राजनीतिक दबाव। इसके समाधान हेतु मीडिया की स्वतंत्रता सुनिश्चित करनी चाहिए, मीडिया नैतिकता संहिता का पालन होना चाहिए और जनता को मीडिया साक्षरता विकसित करनी चाहिए।

Explanation:

यह अनुच्छेद लोकतंत्र में निष्पक्ष मीडिया की भूमिका, उसके समक्ष चुनौतियों और समाधान पर आधारित है।

Q.0 [0 mark]

(ख) परोपकार ही सच्चा धर्म है

संकेत बिंदु – परोपकार का अर्थ, मनुष्य का उत्तम गुण, प्रकृति से उदाहरण, सच्चे आनंद का स्रोत

Answer: परोपकार का अर्थ है दूसरों की भलाई के लिए किया गया कार्य। यह मनुष्य का सबसे

उत्तम गुण है जो उसे अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ बनाता है। प्रकृति स्वयं परोपकार का सबसे बड़ा उदाहरण है — सूर्य सबको प्रकाश देता है, नदियाँ सबकी प्यास बुझाती हैं, वृक्ष सबको फल और छाया देते हैं। ये सब बिना किसी स्वार्थ के दूसरों के लिए जीते हैं। परोपकार से मन में सच्चा आनंद और संतोष मिलता है। महापुरुषों ने कहा है — 'परहित सरिस धर्म नहिं भाई'। गांधी जी, मदर टेरेसा जैसी विभूतियों ने परोपकार को ही अपना धर्म माना। अतः परोपकार ही सच्चा धर्म है।

Explanation:

परोपकार मानव जीवन का सबसे महत्वपूर्ण गुण है और इसे ही सच्चा धर्म माना गया है।

Q.14(g) [1 mark]

(ग) विश्व पर्यावरण दिवस

संकेत बिंदु – भूमिका, क्या, क्यों, पर्यावरण पर प्रभाव

Answer: विश्व पर्यावरण दिवस प्रतिवर्ष 5 जून को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 1972 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा स्टॉकहोम सम्मेलन के बाद हुई थी। इसका उद्देश्य विश्वभर में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना है। आज प्रदूषण, वनों की कटाई, ग्लोबल वार्मिंग, जल संकट और जैव विविधता का ह्रास गंभीर समस्याएँ बन गई हैं। मानवीय गतिविधियों से प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है। इस दिवस पर वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान और पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। हमें प्लास्टिक का उपयोग कम करना, ऊर्जा बचत करना और हरियाली बढ़ाना चाहिए। पर्यावरण की रक्षा हम सबकी ज़िम्मेदारी है।

Explanation:

विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

Q.15(k) [1 mark]

(क) आप साक्षी/सचिन हैं । आपने महसूस किया है कि आपके मित्र का स्वभाव, बोलने का तरीका दिन-प्रतिदिन उग्र होता जा रहा है । संयमित व्यवहार और मीठी वाणी का महत्त्व बताते हुए उसे लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए ।

Answer: परीक्षा भवन,
नई दिल्ली
दिनांक: XX.XX.2024

प्रिय मित्र,

सप्रेम नमस्कार!

मैं तुम्हें यह पत्र एक विशेष विषय पर लिख रहा/रही हूँ। पिछले कुछ समय से मैंने देखा है कि तुम्हारा स्वभाव और बोलने का तरीका काफ़ी उग्र होता जा रहा है। तुम छोटी-छोटी बातों पर क्रोधित हो जाते हो और कठोर शब्दों का प्रयोग करते हो।

मित्र, संयमित व्यवहार और मीठी वाणी जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति है। तुलसीदास जी ने भी कहा है — 'तुलसी मीठे वचन ते सुख उपजत चहुँ ओर।' मीठी वाणी से रिश्ते मज़बूत होते हैं, सम्मान मिलता है और मन को शांति प्राप्त होती है। कृपया अपने स्वभाव पर ध्यान दो।

तुम्हारा मित्र,
साची/सचिन

Explanation:
पत्र में मित्र को संयमित व्यवहार और मीठी वाणी का महत्व समझाया गया है।

OR

Q.15(k) [1 mark]

अथवा

(ख) आप प्रगति विद्यालय के साची/सचिन हैं । स्कूली शिक्षा में स्मार्ट कक्षाओं की बढ़ती भूमिका को देखते हुए अपने विद्यालय में भी स्मार्ट बोर्ड लगाए जाने का अनुरोध करते हुए अपने क्षेत्र के शिक्षा पदाधिकारी को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए ।

Answer: सेवा में,
शिक्षा पदाधिकारी,
ज़िला शिक्षा कार्यालय,
[शहर का नाम]

विषय: विद्यालय में स्मार्ट बोर्ड लगवाने हेतु अनुरोध

महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं प्रगति विद्यालय का/की छात्र/छात्रा हूँ। आज के डिजिटल युग में स्मार्ट

कक्षाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। स्मार्ट बोर्ड से पढ़ाई रोचक और प्रभावशाली बनती है, विद्यार्थियों की समझ बेहतर होती है और शिक्षक भी विभिन्न दृश्य-श्रव्य सामग्री का उपयोग कर सकते हैं।

हमारे विद्यालय में अभी तक स्मार्ट बोर्ड की सुविधा उपलब्ध नहीं है। अतः आपसे अनुरोध है कि हमारे विद्यालय में भी स्मार्ट बोर्ड लगवाने की कृपा करें।

धन्यवाद,
साची/सचिन
प्रगति विद्यालय

Explanation:
यह औपचारिक पत्र शिक्षा पदाधिकारी को विद्यालय में स्मार्ट बोर्ड लगवाने हेतु अनुरोध करता है।

Q.16(k) [1 mark]

(क) आप निभा/निर्भय हैं। आपको अपने मित्र से पता चला है कि स्थानीय नवोदय विद्यालय में सहायक प्राथमिक शिक्षक का पद रिक्त है। आप इस पद के लिए योग्य उम्मीदवार हैं और अपनी सेवा देने के इच्छुक भी हैं। उक्त पद के लिए नवोदय विद्यालय के प्रमुख को आवेदन भेजने हेतु लगभग 80 शब्दों में अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त लिखिए।

Answer: संक्षिप्त स्ववृत्त (Bio-data)

नाम: निभा/निर्भय
पिता का नाम: श्री ____
जन्म तिथि: XX.XX.XXXX
पता: ____
शैक्षिक योग्यता:
- बी.एड. (शिक्षा स्नातक)
- बी.ए. (हिन्दी साहित्य)
- 12वीं कक्षा (85%)
अनुभव: 2 वर्ष का शिक्षण अनुभव
भाषा ज्ञान: हिन्दी, अंग्रेज़ी

रुचियाँ: पठन-पाठन, शिक्षण, बाल विकास
संदर्भ: श्री ____, प्रधानाचार्य, ____ विद्यालय

मैं उपर्युक्त पद के लिए आवेदन करता/करती हूँ। मेरी योग्यताएँ और अनुभव इस पद के अनुकूल हैं।

Explanation:
संक्षिप्त स्ववृत्त में व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षिक योग्यता, अनुभव आदि का संक्षिप्त विवरण दिया जाता है।

OR

Q.16(k) [1 mark]

अथवा

(ख) आप निभा / निर्भय हैं । आपने ऑनलाइन खरीददारी करके कुछ कपड़े खरीदे थे । उनकी गुणवत्ता आपकी आवश्यकताओं के अनुकूल न होने के कारण आपने उन्हें वापस कर दिया था । परंतु 10 दिन बीत जाने के बाद भी आपकी रकम वापस नहीं आई । संबंधित कंपनी के ग्राहक सेवा कक्ष (कस्टमर सर्विस सेल) को ई-मेल द्वारा अपनी समस्या से अवगत कराइए ।

Answer: प्रेषक: nibha@email.com
प्रेषित: customerservice@company.com
विषय: वापस किए गए उत्पाद का धनवापसी (Refund) अभी तक प्राप्त नहीं

महोदय,
मैंने आपकी वेबसाइट से दिनांक XX.XX.2024 को कुछ कपड़े खरीदे थे (ऑर्डर नंबर: XXXXXX)। प्राप्त उत्पादों की गुणवत्ता संतोषजनक न होने के कारण मैंने उन्हें नियमानुसार वापस कर दिया था। आपकी कंपनी को वापसी की पुष्टि भी प्राप्त हो चुकी है।

परंतु 10 दिन बीत जाने के बाद भी मेरी रकम वापस नहीं आई है। कृपया इस विषय में शीघ्र कार्रवाई करते हुए मेरी धनवापसी की प्रक्रिया पूर्ण करें।

धन्यवाद,
निभा/निर्भय
संपर्क: XXXXXXXXXX

Explanation:

यह ई-मेल ग्राहक सेवा कक्ष को धनवापसी न मिलने की शिकायत के लिए लिखा गया है।

Q.17(k) [1 mark]

(क) स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रक्तदान हेतु जागरूकता फैलाने के लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए ।

Answer: रक्तदान — महादान!

एक बूँद रक्त बचा सकती है एक जीवन!

आइए, रक्तदान करें और किसी की ज़िंदगी बचाएँ।
रक्तदान सबसे बड़ा दान है — यह पुण्य का काम है।

शिविर: [स्थान], दिनांक: [तिथि], समय: सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक

स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार
'रक्तदान करें, जीवन बचाएँ'

Explanation:

यह विज्ञापन रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए तैयार किया गया है।

OR

Q.17(k) [1 mark]

अथवा

(ख) आप नंदिनी/नंदन हैं । आपके मित्र का चयन एन.डी.ए. में हो गया है । उसे शुभकामना देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए ।

Answer: प्रिय मित्र,

एन.डी.ए. में तुम्हारे चयन की खबर सुनकर अत्यंत हर्ष हुआ! तुम्हारी कड़ी मेहनत और समर्पण रंग लाया। देश की सेवा का यह सुअवसर तुम्हें मुबारक हो। तुम एक श्रेष्ठ सैनिक अधिकारी बनो, यही मेरी कामना है। बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ!

तुम्हारा/तुम्हारी,
नंदनी/नंदन

Explanation:

यह शुभकामना संदेश मित्र के एन.डी.ए. चयन पर लिखा गया है।